Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to eradicate anemia from the country.

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे (मावल) ः महिलाओं और बच्चों में एनीमिया की समस्या को रोकने के लिए एक बड़ा कार्यक्रम वऐान 1970 में शुरू हुआ था। इसके बावजूद, 2015 में आधे से ज्यादा लक्षित आबादी एनीमिक बनी हुई थी।

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें एक व्यक्ति की सामान्य से कम लाल रक्त कोशिकाएं होती हैं या हीमोग्लोबीन की कम मात्रा होती है। इससे खून के द्वारा शरीर के विभिन्न अंगों तक ऑक्सीजन ले जाने की क्षमता कम हो जाती है और कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती है।

हमारे देश में 40 फीसदी से अधिक आबादी एनीमिया से ग्रसित है और यह एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है। महिलाओं और बच्चों में एनीमिया भारत में लगभग 50 वऐाॉ से एक बड़ी समस्या बनी हुई है। इस बीमारी में हीमोग्लोबीन का निम्न स्तर मृत्यु का कारण बनता है और भारत में 20 फीसदी मातृ मृत्यु का कारण एनीमिया है और 50 फीसदी मातृत्व मौतों में यह भी एक कारण है। यह बच्चों में जन्म के समय कम वजन का कारण भी बनता है।

एनीमिया समस्या को हल करने के लिए सरकार की सबसे बड़ी पहल राऐट्रीय एनीमिया निवारक कार्यक्रम है, जबकि वऐान 1991 में प्रमुख कार्यक्रम का नाम बदलकर राऐट्रीय पोऐाण संबंधी एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम रखा गया और राऐट्रीय बाल जीवन रक्षा और सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम का हिस्सा बन गया, फिर भी 50 साल बीत जाने के बाद भी देश में एनीमिया की समस्या लगातार बनी हुई है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि देश को एनीमिया मुक्त करने के लिए सरकार एक संगठित योजना चलाकर देश को एनीमिया मुक्त करने हेतु जल्दी और आवश्यक कदम उठाए।